विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग- तृतीय, विषय -हिंदी

दिनांक-16-08-2021 एन.सी.ईआर.टी पर आधारित

पाठ-10 भारत कोकिला (सरोजिनी नायडू)

सुप्रभात बच्चों

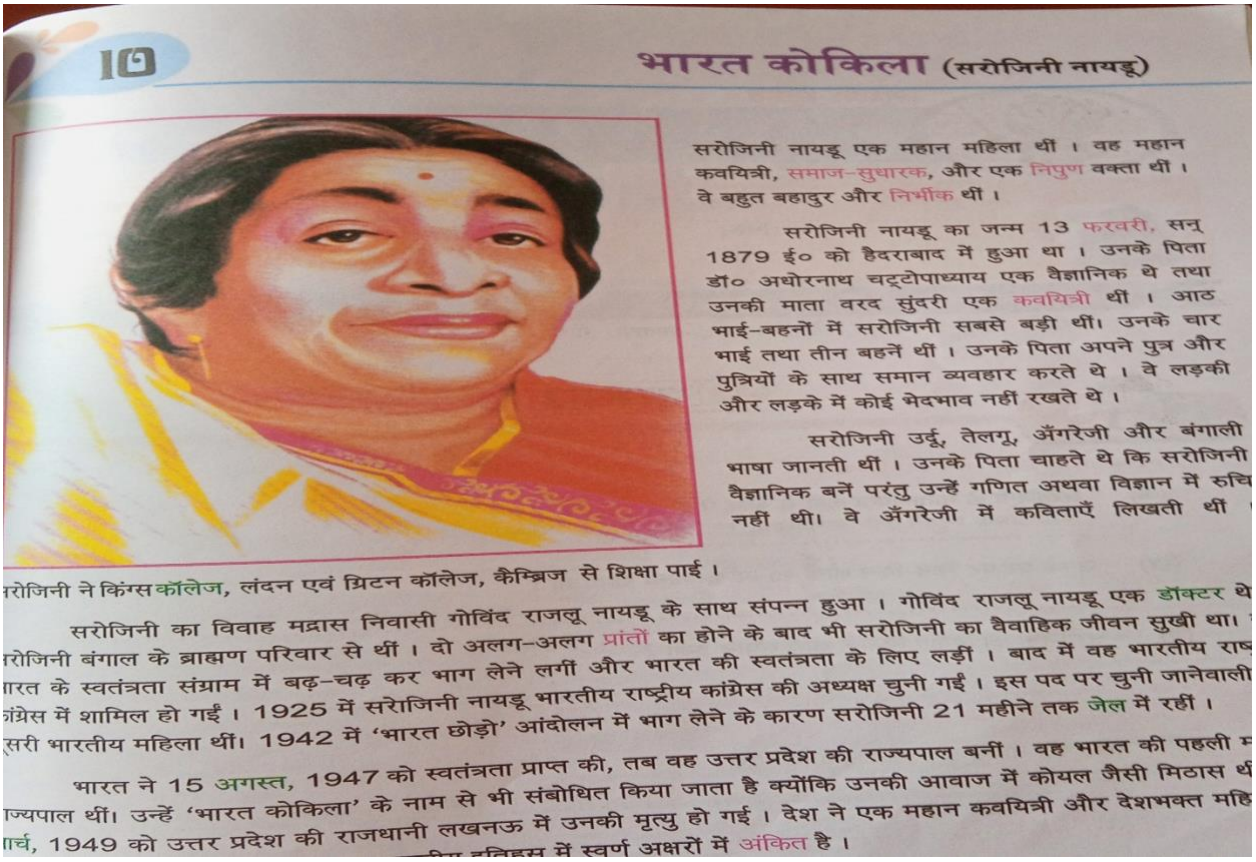

10

भारत कोकिला (सरोजिनी नायडू)

सरोजिनी नायडू एक महान महिला थीं । वह महान कवयित्री, समाज-सुधारक, और एक निपुण वक्ता थीं । वे बहुत बहादुर और निर्भीक थीं ।

सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी, सन् 1879 ई० को हैदराबाद में हुआ था । उनके पिता डॉ० अघोरनाथ चट्टोपाध्याय एक वैज्ञानिक थे तथा उनकी माता वरद सुंदरी एक कवयित्री थीं । आठ भाई-बहनों में सरोजिनी सबसे बड़ी थीं। उनके चार भाई तथा तीन बहनें थीं । उनके पिता अपने पुत्र और पुत्रियों के साथ समान व्यवहार करते थे । वे लड़की और लड़के में कोई भेदभाव नहीं रखते थे ।

सरोजिनी उर्दू, तेलगू, अँगरेजी और बंगाली भाषा जानती थीं । उनके पिता चाहते थे कि सरोजिनी वैज्ञानिक बनें परंतु उन्हें गणित अथवा विज्ञान में रुचि नहीं थी। वे अँगरेजी में कविताएँ लिखती थीं

रोजिनी ने किंग्स कॉलेज, लंदन एवं ग्रिटन कॉलेज, कैम्ब्रिज से शिक्षा पाई ।

सरोजिनी का विवाह मद्रास निवासी गोविंद राजलू नायडू के साथ संपन्न हुआ । गोविंद राजलू नायडू एक डॉक्टर थे
रोजिनी बंगाल के ब्राह्मण परिवार से थीं । दो अलग-अलग प्रांतों का होने के बाद भी सरोजिनी का वैवाहिक जीवन सुखी था।
ारत के स्वतंत्रता संग्राम में बढ़-चढ़ कर भाग लेने लगीं और भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ीं । बाद में वह भारतीय राष्
ांग्रेस में शामिल हो गईं । 1925 में सरोजिनी नायडू भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष चुनी गईं । इस पद पर चुनी जानेवाली
सरी भारतीय महिला थीं। 1942 में 'भारत छोड़ो' आंदोलन में भाग लेने के कारण सरोजिनी 21 महीने तक जेल में रहीं ।

भारत ने 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता प्राप्त की, तब वह उत्तर प्रदेश की राज्यपाल बनीं । वह भारत की पहली म
ाज्यपाल थीं। उन्हें 'भारत कोकिला' के नाम से भी संबोधित किया जाता है क्योंकि उनकी आवाज में कोयल जैसी मिठास थ
ार्च, 1949 को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में उनकी मृत्यु हो गई । देश ने एक महान कवयित्री और देशभक्त महि
तिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है ।

दिए, गए अध्ययन -सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।